देश-दुनिया के निवेशकों के लिए खुले हैं दरवाजे

▶ सीएम ने एमएसएमई इकाइयों को 169.57 करोड़ अंतरित करते हुए कहा-

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 30 मार्च. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश, देश के सर्वाधिक सशक्त, आर्थिक रूप से सुदृढ़ और बेहतर वित्तीय प्रबंधन वाले प्रथम तीन राज्यों में से एक है.

उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए हरसंभव सहयोग और मार्गदर्शन उपलब्ध करा रही है. देश-दुनिया के सभी निवेशकों के लिए प्रदेश के दरवाजे खुले हैं. हम उद्योग मित्र नीतियों और सहयोग की भावना के साथ उनके स्वागत के लिए तत्पर हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मप्र भारतीय अर्थव्यवस्था में उद्योग हो या कृषि हर क्षेत्र में योगदान के लिए निरंतर सक्रिय है. एमएसएमई इकाइयां औद्योगिक गतिविधियों का प्रभावी केन्द्र होने के साथ लाखों परिवारों के स्वावलंबन का आधार भी है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को समर्थ एमएसएमई विकसित मध्यप्रदेश की थीम पर मुख्यमंत्री निवास में 257 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को उनके खाते में 169.57 करोड़ से अधिक की प्रोत्साहन राशि सिंगल क्लिक से जारी कर संबोधित कर रहे थे. डॉ. यादव ने स्टार्टअप को लगभग 28 लाख से अधिक की अनुदान राशि की प्रथम किश्त भी जारी की. मुख्यमंत्री को इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने लघु उद्योग निगम की ओर से 8 करोड़ रुपए के अंतरिम लाभांश का चेक भेंट किया. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैतूल और आगर-मालवा के तीन उद्यमियों को औद्योगिक भूमि के लिए आवंटन-पत्र प्रदान किए और मुख्यमत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत हितलाभ वितरण भी किए.

वाराणसी में एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन आज

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वाराणसी में आयोजित एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026, में मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं, पारंपरिक शिल्प, ओडीओपी और जीआई टैग उत्पादों, कृषि एवं खाद्य उत्पादों, निवेश अवसरों और पर्यटन संभावनाओं को एक साझा मंच पर प्रस्तुत करेंगे. इस सम्मेलन में दोनों राज्यों की प्रमुख ताकतें एक साथ सामने आएंगी और उत्पादन, बाजार तथा पहचान से जुड़े विभिन्न आयामों पर केंद्रित संवाद स्थापित होगा. सम्मेलन में उद्योग, शिल्प, निवेश और पर्यटन से जुड़े हितधारक एकत्रित होंगे, जहां व्यावहारिक सहयोग, बाजार विस्तार और साझा पहल पर चर्चा का स्पष्ट स्वरूप दिखाई देगा. मुख्यमंत्री डॉ. यादव की वाराणसी यात्रा काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के अध्ययन भ्रमण से होगी, जहां तीर्थ क्षेत्र में विकसित क्राउड फ्लो मैनेजमेंट, अधोसंरचना लेआउट और तीर्थयात्री प्रबंधन की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया जाएगा. यह अनुभव धार्मिक पर्यटन स्थलों के सुव्यवस्थित विकास और आधुनिक प्रबंधन प्रणाली को समझने का आधार बनेगा. इसके बाद एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन स्थल पर प्रदर्शनी का अवलोकन किया जाएगा.

अचानक बदला मौसम कई जिलों में तेज हवाएं

3 से 4 दिनों तक सक्रिय रहेगा मौसम

भोपाल, 30 मार्च. मध्य प्रदेश में सोमवार को मौसम में अचानक बदलाव दिखायी दिया. भोपाल, बैतूल, मैहर, श्योपुर, मंदसौर और नीमच में तेज बारिश हो रही है, जबकि नीमच में ओलावृष्टि दर्ज की गई.

इंदौर, उज्जैन और धार में बादल छाए हुए हैं और यहां भी बारिश की संभावना बनी हुई है. मौसम विभाग के अनुसार यह सिस्टम अगले 3 से 4 दिनों तक सक्रिय रहेगा. मौसम विभाग ने छह जिलों खंडवा, बैतूल, देवास, नीमच, श्योपुर और खरगोन—में आंधी और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है. इसके अलावा छिंदवाड़ा, रतलाम, बालाघाट, सिवनी, पांढुर्णा और अनूपपुर (अमरकंटक) सहित दस से अधिक जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है. मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे के अनुसार अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी, पश्चिमी विक्षोभ, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की सक्रियता के कारण प्रदेश में मौसम में यह बदलाव आया है. रविवार को ग्वालियर और आसपास के जिलों में हल्की बूंदाबांदी देखी गई थी, जो इस सिस्टम के सक्रिय होने का संकेत था. यह सिस्टम 30 मार्च से पूरे प्रदेश में प्रभावी है और सागर, रीवा और शहडोल संभाग सहित अधिकांश इलाकों में 2 अप्रैल तक मौसम बदलता रहेगा.

खरगोन जिले के झिरनिया क्षेत्र में शाम करीब 4 बजे से तेज बारिश हुई और चने-बेर के आकार के ओले गिरे. किसान अरविंद जायसवाल के अनुसार गोराडिया, खो, अपरवेदा और नेमित इलाकों में भी ओलावृष्टि हुई, जिससे देरी से बोए गए गेहूं की फसल को नुकसान का खतरा बढ़ गया है. उज्जैन जिले के बड़नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेज बारिश और कई जगह ओलावृष्टि दर्ज की गई.

नीलगंगा सरोवर का होगा जीर्णोद्धार

- 4.5 करोड़ का प्रोजेक्ट तैयार
- संतों की तपोभूमि को मिलेगा नया स्वरूप
- घाट और पाथवे भी किए गए हैं योजना में शामिल

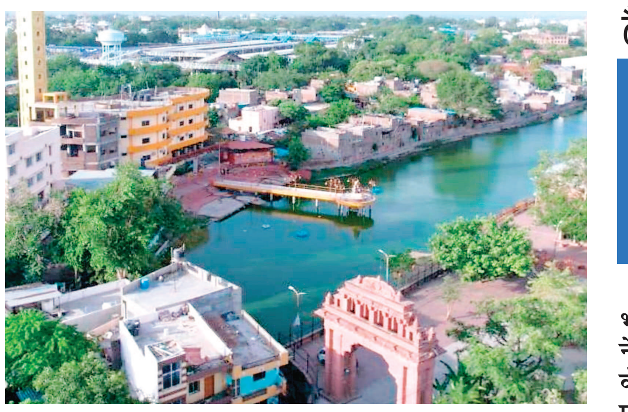

नवभारत न्यूज

उज्जैन. सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच शहर के अतिप्राचीन और पौराणिक महत्व वाले नीलगंगा सरोवर का व्यापक जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण किया जाएगा. लगभग 4.5 करोड़ रुपये की लागत से इस पवित्र स्थल का कायाकल्प कर इसे एक प्रमुख तीर्थ और रमणीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है. नगर निगम द्वारा तैयार की गई डीपीआर को शासन से स्वीकृति मिल चुकी है और इसके टेंडर भी हो चुके हैं. जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा.

जूना अखाड़ा स्थापित है यहां-नीलगंगा सरोवर उज्जैन की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है. यहां जूना अखाड़ा स्थापित है और देशभर से संत-महंत, महामंडलेश्वर तथा साधु-संत यहां आते हैं. सिंहस्थ के दौरान अखाड़ों की पेशवाई भी इसी पावन स्थल से निकलती है, इसलिए यह क्षेत्र संत परंपरा और सनातन आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है.

पूजन, अर्चन, स्नान के लिए घाट-सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए यहां घाटों का निर्माण, सरोवर की साफ-सफाई, परिसर का सौंदर्यीकरण तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा. श्रद्धालुओं और संतों के स्नान तथा पूजा-अर्चना की सुविधा के लिए नए घाट बनाए जाएंगे. वर्तमान में यहां गंगा प्रतिमा भी स्थापित है और अखाड़ा परिषद द्वारा इस क्षेत्र को संरक्षित करते हुए यहां कार्यालय बनाने का निर्णय लिया गया है.

अतिक्रमण अवैध निर्माण हटेंगे-नीलगंगा क्षेत्र के आसपास के मार्गों का भी विस्तार किया जा रहा है, ताकि सिंहस्थ के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिल सके. जिला प्रशासन ने क्षेत्र में हुए अवैध निर्माण और अतिक्रमण को हटाने के भी निर्देश दिए हैं, जिससे सरोवर का प्राकृतिक स्वरूप और पवित्रता बनाए रखी जा सके.

यहां आई थीं माता गंगा-धार्मिक मान्यता है कि प्राचीन काल में स्वयं माता गंगा इस स्थान पर प्रकट हुई थीं, तभी से इस क्षेत्र का नाम नीलगंगा पड़ा. साधु-संतों के प्रयासों से वर्तमान में सरोवर में पर्याप्त पानी उपलब्ध है और श्राद्ध पक्ष के दौरान यहां पिंडदान और तर्पण का भी प्रमुख केंद्र बन गया है.

बड़ का पेड़ लगाया-जूना अखाड़ा के प्रमुख हरि गिरि महाराज इन दिनों उज्जैन में ही हैं. उनके सान्निध्य में सोमवार को नीलगंगा सरोवर परिसर में एक बरगद का पौधा भी लगाया गया है. मान्यता है कि यह पौधा आने वाले समय में विशाल वृक्ष बनकर संतों और श्रद्धालुओं को छाया प्रदान करेगा और इस पावन भूमि की आध्यात्मिक गरिमा को और बढ़ाएगा.

सीएम करेंगे भूमि पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी गंगा दशहरा के अवसर पर नीलगंगा सरोवर पहुंच चुके हैं और जल्द ही इस महत्वपूर्ण परियोजना का भूमि पूजन भी करने वाले हैं. सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने भी स्थल का निरीक्षण कर डीपीआर का अवलोकन किया है तथा निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण और स्थायी रूप से पूरा करने के निर्देश दिए हैं.

आस्था और पर्यटन का नया केंद्र

क्षिप्रा नदी के किनारे लगभग 29 किलोमीटर लंबे घाटों के निर्माण के साथ-साथ नीलगंगा सरोवर का यह अलग प्रोजेक्ट उज्जैन की धार्मिक पहचान को और मजबूत करेगा. आने वाले समय में यह स्थल संत परंपरा, श्रद्धालुओं की आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम बनकर उभरेगा. आस्था और पर्यटन का यह नया केंद्र बनेगा.

एमएसपी पर गेहूं खरीदी की तैयारी पूरी

कैबिनेट समिति ने की वीसी के माध्यम से खरीदी व्यवस्था की समीक्षा

इंदौर, भोपाल में 10 से शुरू होगी खरीदी

बाकी संभागों में खरीदी 15 से

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 30 मार्च. राज्य सरकार ने रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 0गेहूं की खरीदी को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं.

इस संबंध में सोमवार को कैबिनेट समिति की एक उच्च स्तरीय बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित की गई, जिसमें राज्य में गेहूं उपार्जन व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की गई.

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि कैबिनेट समिति ने निर्णय लिया है कि इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम और भोपाल संभाग में गेहूं की खरीदी का कार्य 10 अप्रैल 2026 से प्रारंभ किया जाएगा. प्रदेश के शेष संभागों में उपार्जन कार्य 15 अप्रैल से शुरू होगा. सरकार ने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं. इसमें खरीदी केंद्रों की स्थापना, भंडारण क्षमता, परिवहन व्यवस्था और भुगतान प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाना शामिल है.

बैठक में वैश्विक परिदृश्य, विशेष रूप से मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए खाद्यान्न आपूर्ति एवं भंडारण व्यवस्था पर विशेष चर्चा की गई. समिति ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों से गेहूं खरीदी की प्रक्रिया को सुचारु, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संचालित किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो. बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य समय पर प्राप्त हो और भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो.

कॉलेज स्तर से होती है नेतृत्व की शुरुआत

विशेष संवाददाता

भोपाल, 30 मार्च. विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सोमवार को मध्यप्रदेश विधानसभा में आयोजित युवा विधायक सम्मेलन को संबोधित करते हुए जमीनी नेतृत्व और लोकतांत्रिक भागीदारी के महत्व पर जोर दिया.

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधायकों की भागीदारी वाले इस सम्मेलन में लोकतांत्रिक मूल्यों, विधानसभा की कार्यप्रणाली और प्रभावी जनसेवा पर चर्चा की गई. इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे. अपने संबोधन में सिंघार ने कहा कि नेतृत्व किसी पद से नहीं आता, बल्कि इसकी शुरुआत कॉलेज के समय से होती है. उन्होंने छात्र संघ चुनावों के बंद होने पर चिंता जताते हुए कहा कि ये चुनाव युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने और उन्हें व्यवस्था के प्रति जागरु क बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम थे.

हेमंत खंडेलवाल ने सोशल मीडिया पदाधिकारियों से किया संवाद

भोपाल. प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पार्टी के सोशल मीडिया विभाग के संभाग प्रभारियों और सह प्रभारियों के साथ बैठक आयोजित कर संवाद किया. सोशल मीडिया के प्रदेश संयोजक सुयश त्यागी भी मौजूद थे.

1 अप्रैल से शुरू होगा 'स्कूल चलें हम' अभियान

4 तक इस अभियान में आयोजित होंगी विभिन्न गतिविधियां

भोपाल, 30 मार्च. प्रदेश में नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2026-27 एक अप्रैल से शुरू होगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इसे "स्कूल चलें हम"अभियान के रूप में मनाया जाएगा। यह 4 अप्रैल तक चलेगा। अभियान में प्रदेश में 1 से 4 अप्रैल तक प्रतिदिन शालाओं में कार्यक्रम होंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टर्स और जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी जारी किये हैं। इस दौरान प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सैकेण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं।

राज्य स्तरीय आयोजन

"स्कूल चलें हम" अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा। कार्यक्रम के आयोजन को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

प्रदेश में जिले के प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम चयनित स्कूलों में होगा। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। उपस्थित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की जायेंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें मिल जायें। इस संबंध में विभाग द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी और मैदानी अमले को निर्देश भी जारी कर दिये गये हैं। ग्राम और बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन कराया जायेगा।

"स्कूल चलें हम" अभियान के दूसरे दिन शालाओं में "भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया जायेगा। इसी दिन स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया जायेगा। आमंत्रित अतिथि उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियां सुनाएंगे।

कांग्रेस ने की संगठनात्मक नियुक्तियों की घोषणा

विशेष संवाददाता

भोपाल, 30 मार्च. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण नियुक्तियों की घोषणा की है.

संगठनात्मक अभियान के तहत सात नगर अध्यक्षों और सात जिलों के 29 विधानसभा क्षेत्रों में मंडलम अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है. इन नियुक्तियों का उद्देश्य पार्टी की स्थानीय स्तर पर पकड़ मजबूत करना और जनता के बीच पहुंच बढ़ाना है.

संगठन महासचिव डॉ संजय कामले ने बताया कि अब तक 170 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में मंडलम अध्यक्षों की सूची जारी की जा चुकी है, जबकि शेष क्षेत्रों में भी जल्द नियुक्तियां की जाएंगी.

उन्होंने कहा कि ब्लॉक और मंडलम स्तर पर कार्यकारिणी गठन का कार्य तेजी से चल रहा है तथा नव-नियुक्त पदाधिकारियों के लिए जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

पार्टी नेताओं ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वे संगठन को मजबूत करने और प्रदेशभर में राजनीतिक गतिविधियों को गति देने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे.

पेज एक का शेष

राजनीति में मर्यादा और अनुशासन जरूरी

विधायक केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं रहें : वासुदेव

अध्यक्ष राजस्थान विधानसभा, वासुदेव देवनानी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का मुख्य दायित्व जनता और शासन के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करना है. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है जब जनता, विधायिका और शासन की प्रक्रियाओं के बीच पारदर्शिता और सहभागिता बढ़े. उन्होंने कहा कि विधायक केवल चुनाव जीतने तक सीमित न रहें, बल्कि अपने अध्ययन, चिंतन और जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के माध्यम से समाज के विकास में सक्रिय योगदान दें. एक प्रभावी विधायक वही है जो सदन की कार्यवाही में सक्रिय रूप से भाग ले, प्रश्न पूछे, मुद्दों पर तैयारी के साथ चर्चा करे और जनता से जुड़े विषयों को गंभीरता से उठाए.

बड़ी जनसंख्या की आकांक्षाओं को वाणी देते हैं विधायक : विजयवर्गीय... प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि विधायक होना बहुत महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है, विधायक बड़ी जनसंख्या की आशाओं, आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनकी दुख, तकलीफों, अपेक्षाओं को वाणी प्रदान करते हैं. विधायकगण अपने विधानसभा क्षेत्र का प्रबंधन कैसे करते हैं, यह बहुत महत्वपूर्ण है. उन्होंने युवा विधायकों को संयत व्यवहार रखने, जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील रहते हुए उनके निराकरण की ठोस कोशिश करने, कार्यालय प्रबंधन के लिए संवेदनशील और सक्रिय स्टाफ रखने, अद्यतन डिजिटल तकनीकों के उपयोग में समय के साथ चलने की सलाह दी. सस्ती लोकप्रियता के लिए की गई गतिविधियां दीर्घकालिक दृष्टि से लाभकारी नहीं होती हैं.

प्रयास ▶ बैठक में जीतू पटवारी ने जमीनी स्तर पर गतिविधियां बढ़ाने पर दिया जोर

बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान

विशेष संवाददाता

भोपाल, 30 मार्च. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में विभिन्न प्रकोष्ठों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठन की आगामी रणनीति और कार्ययोजना पर चर्चा की.

बैठक में पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, संगठन उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे तथा संगठन महासचिव डॉ संजय कामले सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रभारी और पदाधिकारी उपस्थित रहे. बैठक के दौरान संगठन को मजबूत करने, उसके विस्तार और जमीनी स्तर पर गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई. पटवारी ने कहा कि मजबूत संगठन ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है और सभी प्रकोष्ठों को जनता के बीच जाकर उनके मुद्दों को उठाना होगा. उन्होंने पदाधिकारियों से जिम्मेदारी पूर्वक कार्य करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का आह्वान किया. पटवारी ने संकेत दिया कि आने वाले समय में विभिन्न प्रकोष्ठ जनहित के मुद्दों पर अधिक सक्रिय भूमिका निभाएंगे और प्रदेशभर में संगठनात्मक गतिविधियों को गति दी जाएगी. इस अवसर पर डॉ कामले ने अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए आगामी योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की और संगठन को मजबूत बनाने के लिए समन्वित प्रयासों पर जोर दिया.

भोपाल चुनाव में अनियमितताओं का आरोप

भोपाल. वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने सोमवार को भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 2023 चुनाव में कथित अनियमितताओं को लेकर गंभीर सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि यह मामला वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है. प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में शर्मा ने बताया कि इससे संबंधित केस की सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने 23 मार्च 2026 को मामले की गंभीरता को देखते हुए संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी किए हैं. इस दौरान सज्जन सिंह वर्मा और मुकेश नायक सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे. उस समय कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ चुके श्री शर्मा ने बताया कि 17 नवंबर 2023 को मतदान हुआ और 3 दिसंबर को मतगणना के बाद भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को विजयी घोषित किया गया. उन्होंने बैलेट पेपर और ईवीएम मतगणना में बड़े अंतर का आरोप लगाते हुए कहा कि बैलेट पेपर में उन्हें लगभग 25 प्रतिशत अधिक मत मिले.

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

भोपाल. सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा में 30 मार्च को कारखाना राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 87वीं तिमाही बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाड़े ने की. बैठक में केंद्र सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग-प्रसार और सरकारी कामकाज में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई. दिसंबर 2025 की तिमाही में किए गए कार्यों की समीक्षा भी की गई.

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

केटरिंग यूनिटों के आवंटन के लिये ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक –रतलाम मंडल पश्चिम रेलवे ने मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर केटरिंग यूनिटों के आवंटन के लिये ई–नीलामी आमंत्रित की है। केटलॉग को **IREPS** वेबसाईट (ई–ऑक्शन) पर प्रकाशित किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है। केटलॉग संख्या : CTG-RTM-DIV-26. अनुबंध का प्रकार : Catering Units. लॉट नं : Catg-RTM-THDR-GMU-9-23-1, Catg-RTM-PPD-GMU-12-23-1, Catg-RTM-RAU-GMU-8-23-1, Catg-RTM-PIP-GMU-256-26-1, Catg-RTM-RJQ-GMU-7-23-1, Catg-RTM-FTD-GMU-24-23-1, Catg-RTM-FTD-GMU-25-23-1, Catg-RTM-DWX-SMU-251-26-1, Catg-RTM-RNJ-SMU-34-24-1, Catg-RTM-MGN-SMU-252-26-1, Catg-RTM-THDR-SMU-253-26-1, Catg-RTM-NBH-SMU-255-26-1. अनुबंध की अवधि – 5 वर्ष ई–नीलामी की तिथि और समय सभी लॉट के लिये ई–नीलामी दिनांक 14/04/2026 को 11:30 बजे प्रारंभ होगी। प्रारंभिक कुलिंग ऑफ अवधि 30 मिनट है। अनुक्रमिक लॉट को बंद करने का अंतराल 10 मिनट है। **IREPS** के ई–ऑक्शन मॉडयूल पर लॉटसाईज समापन समय देखा जा सकता है।

SNP-525

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60